

पं. दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में कर्मचारी दीपावली स्नेह मिलन विश्वविद्यालय परिवार की टीम भावना ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति-प्रो. राय

बद्धता राजस्थान



सीकर (नि.स.)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर में मंगलवार को अधिकारियों और कर्मचारियों का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय, कुलसचिव श्वेता यादव, परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेंद्र सिंह समेत विश्वविद्यालय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय और मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ञवलन कर किया।

सम्पादकीय

विभाजनकारी बयान, राहुल गांधी जातीय वैमनस्य को दे रहे हैं हवा

उनकी माने तो उच्च जातियों के दस प्रतिशत लोगों ने सेना पर नियंत्रण कर रखा है। पहला प्रश्न तो यही उठता है कि उन्हें यह कैसे पता चला और दूसरा यह कि आखिर दस प्रतिशत लोगों का पर नियंत्रण होने का क्या मतलब? वे ऐसे बयान देकर न केवल अपने को युग्मात् कर रहे हैं, बल्कि सेना की छावि भी मालिन कर रहे हैं। कम से कम उन्हें सेना को तो बच्चा देना चाहिए, जिसमें जाति, पंथ आदि के लिए कोई स्थान नहीं। कोई भी यह नहीं कह सकत कि सेना की भर्ती में किसी तरह का भेदभाव होता है। यह ठीक नहीं कि राहुल गांधी जाने-अनजाने सेना की साख पर प्रहर कर रहे हैं। लगता है कि वे यह भूल गए कि कुछ समय पहले सेना को नीचा दिखाने वाले



में दरित, पिछड़ी जातियों का कितना प्रतिनिधित्व है? राहुल गांधी की समझ से असमान प्रतिनिधित्व का एक मात्र उपर्युक्त जनतागत कराने का फैसला ले लिया गया है, लेकिन उन्हें इतने से ही संतोष नहीं। वे इसकी गिनती भी चाह रहे हैं कि किस क्षेत्र में किस जाति के कितने लोग हैं? क्या इससे वैमनस्य को भी हवा दे रहे हैं?

रा

हुल गांधी एक लंबे समय से वह प्रचारित कर रहे हैं कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च जातियों का आधिपत्य है और दलित-पिछड़ी जातियों हाशिये पर धकेल दी गई है। गत दिवस बिहार में उन्होंने यह भी कह दिया कि यही स्थिति सेना में भी है।

आज का इतिहास बढ़ता राजस्थान

- 1556 - पानीपत के दूसरे युद्ध में मुगल शासक अकबर ने हेमू को हराया।
- 1630 - स्पेन और इंग्लैंड के बीच शाति समझौते पर हस्ताक्षर।
- 1639 - मैसाचूसेट्स में पहले डाकघर की स्थापना।
- 1678 - जर्मनी की विशेष सेना ब्रैडनबर्गर्स ने स्वीडन में ग्रीफस्बाल्ड शहर पर कब्जा जामाया।
- 1725 - स्पेन और आस्ट्रिया ने गुस्त समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 1811 - स्पेन के खिलाफ मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर का प्रथम स्वतंत्रता संघर्ष।
- 1854 - क्रीमिया के युद्ध में ब्रिटिश और फ्रांस की संयुक्त सेना ने इक्रेमान में रूसी सेना को पराजित किया।
- 1872 - उत्पेस से एस ग्रांट अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति निवाचित।

- 1914 - इंग्लैंड एवं फ्रांस द्वारा तुर्की के विरुद्ध युद्ध की घोषणा।
- 1920 - इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की स्थापना।
- 1930 - अमेरिका के महान साहित्यकार सिन्क्लेपर लेविस को उनकी कृति बाबित के लिये साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला।
- 1951 - नावदा परमाणु परीक्षण केंद्र में अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1961 - भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने न्यूयार्क की यात्रा की।
- 1976 - सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1985 - 24 वर्ष तक शासन करने के बाद तंजनिया के राष्ट्रपति जूलियस येरेरे द्वारा पदत्याग।
- 1995 - इसायल के प्रधानमंत्री यिलाक रोबिन की गोली मारकर मरण हुया।
- 1999 - वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल का निधन।
- 2001 - भारत तथा रूस ने अफगान सरकार में तालिबान की भागीदारी नामंजूर की।

विशेष आलेख



डॉ नयन प्रकाश गोंद्ही

सुरक्षा को अनदेखा करने की कीमत: जयपुर हरमाड़ा हादसा और हमारी सामाजिक जिम्मेदारी



ज

यपुर के हरमाड़ा क्षेत्र में घटित भयानक सड़क दुर्घटना, जिसमें एक अनियंत्रित डंपर ने कई वाहनों एवं शाहीगों को कुचलते हुए चौदह से अधिक जिंदगी के लीले लिया, हमारे समज की लापरवाही का एक क्रूर आइना है। यह घटना महज एक सड़क हादसा नहीं, बल्कि उस बढ़ती संवेदनहीनता, गैर-जिम्मेदारी व्यवाहार और नियमों की खुलेआम अनदेखी का परिणाम है, जो हमारे समाज में धोरे-धोरे घर कर गई है।

आंकड़ों से परे मानव संवेदना : दुर्घटनाएं धीरे-धीरे सिर्फ आंकड़ों तक संस्थित रह गई हैं। समाजमें मृतकों की संख्या, घायलों का हाल, और दुर्घटनाल के दृश्य, यह सब पढ़कर हम आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन हम भूल जाते हैं कि हर संख्या के पीछे एक परिवार की खुशीयां नियम लापरवाही की सड़क तक : अस्पताल, बस या घर की छोटे-छोटे सुखुम उड़ानों में कोतोंकी बड़ी जनहीनी का कारण बन जाती है। आग की घटनाओं में श्रेय अक्सर बिहारी के शार्फ सर्किंट, खुली लपेटों, सिंगरेट या बड़ी के असावधान नुक़ड़े, या गैर-मानक वायरिंग को जाता है। वहीं, सड़क पर वाहनों की नियमित फिटोसेन करना, खारब ब्रेक या टायर से समझौता, या शराब के नशे में वाहन चलाना, ये सभी लापरवाही और जटवाजी की कड़ियां किसी ना किसी त्रासदी में बदलती जीवनशैली और तेज़ रफ़ाज़ जीवनशैली ने हमें 'जल्दी पहुंचना' सबसे ज़रूरी बना दिया है। समय की कमी, लागत व बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मोबाइल फोन की लिट, और शॉट ध्यान अवधि जैसी आदतों ने आज लगभग हर इंसान को लापरवाह

बना दिया है। आज का युवा हो वरिष्ठ हो सभी के लिए डाइविंग के द्वारा फोन का इस्तेमाल, शारब पीकर वाहन चलाना, सुरक्षा उपकरणों के प्रति लापरवाही, और ट्रैफ़िक नियमों की अनदेखी आम हो चली है। इसकी परिणति ऐसे हादसों के रूप में सामन आती है, जहाँ लापरवाही एक परिवार की खुशीयां नियम लापरवाही की जाती है। लापरवाही की हड्डी- आग से लेकर सड़क तक : अस्पताल, बस या घर की छोटे-छोटे सुखुम उड़ानों में कोतोंकी बड़ी जनहीनी का कारण बन जाती है। आग की घटनाओं में श्रेय अक्सर बिहारी के शार्फ सर्किंट, खुली लपेटों, सिंगरेट या बड़ी के असावधान नुक़ड़े, या गैर-मानक वायरिंग को जाता है। वहीं, सड़क पर वाहनों की नियमित फिटोसेन करना, खारब ब्रेक या टायर से समझौता, या शराब के नशे में वाहन चलाना, ये सभी लापरवाही और जटवाजी की कड़ियां किसी ना किसी त्रासदी में बदलती जीवनशैली और तेज़ रफ़ाज़ जीवनशैली ने हमें 'जल्दी पहुंचना' सबसे ज़रूरी बना दिया है। समय की कमी, लागत व बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मोबाइल फोन की लिट, और शॉट ध्यान अवधि जैसी आदतों ने आज लगभग हर इंसान को लापरवाह

प्रयास ज़रूरी है। व्यक्तिगत स्तर : वाहन चलाने समय मोबाइल से दूरी, हमेशा सीट बेल्ट/हेलमेट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, और शराब पीकर वाहन चलाने से पूरी तरह परहेज अव्यत आवश्यक है। सुरक्षा उत्करण : अपने घर व दप्तर में स्मार्क डिटेक्टर और अनियंत्रिक यंत्र अनिवार्य रूप से लगवाएं। समय-समय पर विद्युत तारों एवं उपकरणों की जांच करवाएं। सार्वजनिक व्यवस्था : सार्वजनिक स्थानों पर निकास मार्ग हमेशा खुले रखें, और प्रशासन भिलकर जनजागरूकता अधियान चलाएँ, जिसमें आमजन को यह बताया जाए कि सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार के लिए ठोस सुझाव- सख्त निगरानी, तकनीकी उपाय एवं सामाजिकानुप्रयोग : इंक ड्राइविंग की जांच के लिए ब्रेक एनालाइज़र और मोबाइल ट्रैकिंग यूनिट्स की तैयारी है। हर शहरी और आग्रामी चौराहे पर ट्रैफ़िक पुलिस को आधुनिक ब्रेथ एनालाइज़र देना चाहिए, जिससे मौके पर ही शराब के प्रभाव की नियमिक जांच हो सके। रात के समय विशेष अधियान : यह 8 बजे से सुबह 6 बजे तक सड़क सुरक्षा अधियान एवं अन्यानक चेकिंग स्थानीय और राज्य पुलिस पर अपराध करे। सीसीटीवी और डिजिटल निगरानी : सुख्त आग्रामी वर्षों से अपाको सुरक्षा अधियान की जांच के लिए ब्रेक एनालाइज़र और अन्यानी सोनो से आपाको सुख्त सहयोग प्रियोत्तमा। दोस्रों से आपाको खुले पर्याप्त है। जो लोग विदेशों से व्यापार कर रहे हैं, उन्हें सतर्क रहना होगा।

के फिटनेस प्रमाणन हेतु पारदर्शी और नियमिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बिना रिश्वत दीए सुरक्षा मानकों की पुष्टि संभव हो। यातायात पुलिस व प्रशासन को तकनीकी संवाधनों से लैस किया जाए, जिससे शराबी लापारवाह ड्राइवरों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। मॉडिया, समाजसेवी संस्थाएँ और आकर्षक व्यवस्थाएँ अपाको सुरक्षा कोई विकल्प नहीं, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहाँ वह भूल गया है। सरकार के लिए ठोस सुझाव- सख्त निगरानी, तकनीकी उपायों की लैप्टॉप वाहन बोर्ड व वाहन चलाने की जांच के लिए ब्रेक एनालाइज़र और अन्यानी सोनो से आपाको सुख्त सहयोग प्रियोत्तमा। जो लोग विदेशों से व्यापार कर रहे हैं, उन्हें सतर्क रहना होगा।

आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहा है। कार्यक्रम में अपाको विदेशी लोगों की जांच के लिए ब्रेक एनालाइज़र और अन्यानी सोनो से आपाको सुख्त सहयोग प्रियोत्तमा। दोस्रों से आपाको खुले पर्याप्त है। जो लोग विदेशों से व्यापार कर रहे हैं, उन्हें सतर्क रहना होगा।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको रेजियर की जांच के लिए ब्रेक एनालाइज़र और मोबाइल ट्रैकिंग यूनिट्स की तैयारी है। आप जाने वाले लोगों के लिए ब्रेक एनालाइज़र और अन्यानी सोनो से आपाको सुख्त सहयोग प्रियोत्तमा। आपको लोगों की जांच के ल

